HINDUSTAN PAGE 7

एलयू की आर्थिक समस्या का समाधान उपलब्धि : कुलपति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय आर्थिक समस्या से न जूझे इसके लिए पहले दिन से काम शुरू किया था। जिसका नतीजा कुछ समय बाद से दिखने लगा। ये कहना है लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का है। 30 जनवरी को प्रो. आलोक कुमार राय के कुलपति कार्यकाल के दो वर्ष पूरे हो रहे हैं। कुलपति ने कहा कि शैक्षिक संस्थान में शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाना और आर्थिक समस्याओं से संस्थान न जूझे यही सोच थी। केन्द्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से वर्तमान समय में लखनऊ विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष औसतन दो करोड़ रुपए अर्जित कर रहा है।

आज खुलेगा स्टूडेंट लाउंज व छात्र सुविधा केंद्रः लखनऊ विश्वविद्यालय में गुरुवार को बास्केटबाल कोर्ट, छात्र सुविधा केन्द्र, एवं स्टूडेंट लाउण्ज का उद्घाटन किया जाएगा। छात्र सुविधा केन्द्र में छात्रों की सभी समस्याओं का निदान एक ही स्थान पर हो सकेगा। साथ ही पांच ई-रिक्शा संचालन भी गुरुवार से शुरू हो जाएगा। चार गेट पर एक-एक रिक्शा मौजूद रहेगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

नैक व एनआईआरएफ में दिलाएंगे बेहतर रैंक

लविवि के कुलपति के आज पूरे हो रहे हैं दो साल

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। बहुत कुछ किया है और बहुत कुछ करना अभी बाकी है। मुझे विश्वविद्यालय में शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्रों सभी वर्गों का पूरा सहयोग मिला। कोविड की चुनौतियों के बीच शताब्दी वर्ष का सफल आयोजन हुआ। हालांकि नैक न करा पाने और एनआईआरएफ में बेहतर रैंक न ला पाने की टीस भी है। इस साल का पहला लक्ष्य इन दोनों में विवि को बेहतर रैंक दिलाना है।

अपने कार्यकाल के दो साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने यह विचार अमर उजाला से साझा किए। एनआईआरएफ में जहां विवि की 150 से अधिक रैंक आई है, वहीं नैक में बी ग्रेड 2019 में समाप्त हो चुकी है। दोनों की रैंक सुधारने की

विवि के डिजिटलाइजेशन व आर्थिक समृद्धि के प्रयास सफल, विवि को जल्द मिलेंगे नए शिक्षक

कवायद तेज की है। उन्होंने कहा कि विवि में जनवरी 2020 से पहले की एकेडमिक्स में काफी बदलाव हुए हैं। डिग्री कोर्स से लेकर डिप्लोमा तक के पाठ्यक्रम को आधुनिक जरूरत के हिसाब से तैयार किया है। बीफार्मा-डीफार्मा जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को पीजी के बाद यूजी में भी लागू किया है।

आर्थिक व्यवस्था में किया सुधार

विवि की आर्थिक व्यवस्था में भी सुधार किया है। जल्द की इसका असर भी देखने को मिलेगा। विवि में रिसर्च कल्चर को भी बढ़ावा दिया गया है। शिक्षकों को काफी बड़े रिसर्च प्रोजेक्ट भी मिले हैं। सभी को तकनीकी से जोड़कर कम्युनिकेशन आसान किया गया है। सभी विभागों व अधिकारियों के अपने ट्विटर अकाउंट हैं और विद्यार्थी सीधे वीसी से भी अपनी बात रख सकते हैं। विवि के ट्विटर पर फॉलोवर 1600 से बढ़कर 22 हजार हुए हैं। वेबसाइट को भी स्टूडेंट्स फ्रेंडली किया गया है। छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर सभी हॉस्टल में ओपन एयर जिम की व्यवस्था की गई है। कर्मचारियों के नए आवास भी बने हैं। प्रो. राय ने कहा कि विवि में चल रही शिक्षक भर्ती को और पहले पूरा कर सकते थे, लेकिन कुछ वजह से नहीं हो पाया। इस साल विवि को काफी नए शिक्षक मिलेंगे, जिससे शिक्षण व्यवस्था और बेहतर होगी। वर्षों बाद शिक्षकों के प्रमोशन भी हो रहे हैं। इसके साथ ही वर्तमान संसाधनों में से ही क्लास, हॉस्टल, कॉन्फ्रेंस रूम आदि को और बेहतर बनाने का प्रयास करूंगा।

आज लविवि के छात्रों को मिलेंगी तीन सौगातें

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों को बृहस्पतिवार को तीन सौगातें मिलने जा रही है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय छात्रों के लिए आधुनिक सुविधा केंद्र, ई-रिक्शा सेवा और बॉस्केटबाल कोर्ट का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण के बाद छात्र इन सुविधाओं का लाभ उठा पाएंगे। डीएसडब्लू प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि तीनों सुविधाओं का कुलपति दोपहर में लोकार्पण करेंगे।

JAGRAN CITY PAGE IV

आज से छात्रों के लिए शुरू होंगी कई सुविधाएं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को गुरुवार से कई सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इनमें आधुनिक छात्र सुविधा केंद्र, विभागों तक आने-जाने के लिए पांच ई-रिक्शा और नए परिसर में बास्केट बाल कोट शामिल हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय इन सुविधाओं का लोकार्पण करने के साथ-साथ अपने कार्यकाल के दो साल पूरे होने पर उपलब्धियों और नई योजनाओं की जानकारी देंगे।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि सीपीएमटी भवन का नाम बदलकर मैत्री भवन किया जाएगा। इसमें छात्र सुविधा केंद्र बनाया गया है, जिसमें छात्रवृत्ति, एडमिशन, हास्टल सहित विद्यार्थियों की हर समस्या का समाधान होगा। साथ ही, उनके बैठने के लिए फर्नीचर, वाईफाई, पीने का पानी आदि की भी सुविधा रहेगी।

दो साल में विश्वविद्यालय को मिलीं कई उपलब्धियां

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय गुरुवार को अपने कार्यकाल के दो साल पूरे करेंगे। इस दौरान उनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। उनके कार्यकाल में देश के पहले विश्वविद्यालय के रूप में लवि ने सबसे पहले अपने यहां परास्नातक में नई शिक्षा नीति लागू की। 111 शिक्षकों के प्रमोशन, छात्रावासों को सुविधाओं से लैस करने, शिक्षकों के खाली पदों पर भर्ती, नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क रैंकिंग में जगह बनाने सहित कई उपलब्धियां हासिल हुईं। इसके अलावा नए पीएचडी आर्डिनेंस, पार्ट टाइम पीएचडी, तीन छात्रवृत्ति, जिम, हैप्पीनेस लैब, पाठ्यक्रमों के नवीनीकरण से लेकर योग संस्थान भी खोले गए।

TOI PAGE 3

THOSE WHO WE LOST

The second wave of Covid-19 claimed a number of exceptional minds known for excellence in their fields. A look at some of them in tribute

Prof BK Shukla • Sanskrit scholar and Padma Shri awardee Prof Shukla (58) served as dean arts at LU. He succumbed to Covid on April 6. At the time of his death, he was the head of the department of Jyotir Vigyan and director of the Abhinavagupta Institute of Aesthetics and Shaiva Philosophy.

Prof KC Pandey • Head of LU philosophy department succumbed to Covid on April 15. He had tested positive after attending an event at LU and was admitted to Ram Manohar Lohia Hospital on April 3 where his condition deteriorated. He was shifted to a ventilator but could not survive.

Prof AK Sharma • Zoologist and former HOD of LU zoology dept, Prof Sharma (64) died on April 1. He was admitted to a hospital after testing positive. He also served as the director of the institute of mass communication in science and technology at the university.